ISSN 2456–4753

प्लूटो

अंक 6 वर्ष 1
फरवरी- मार्च, 2017

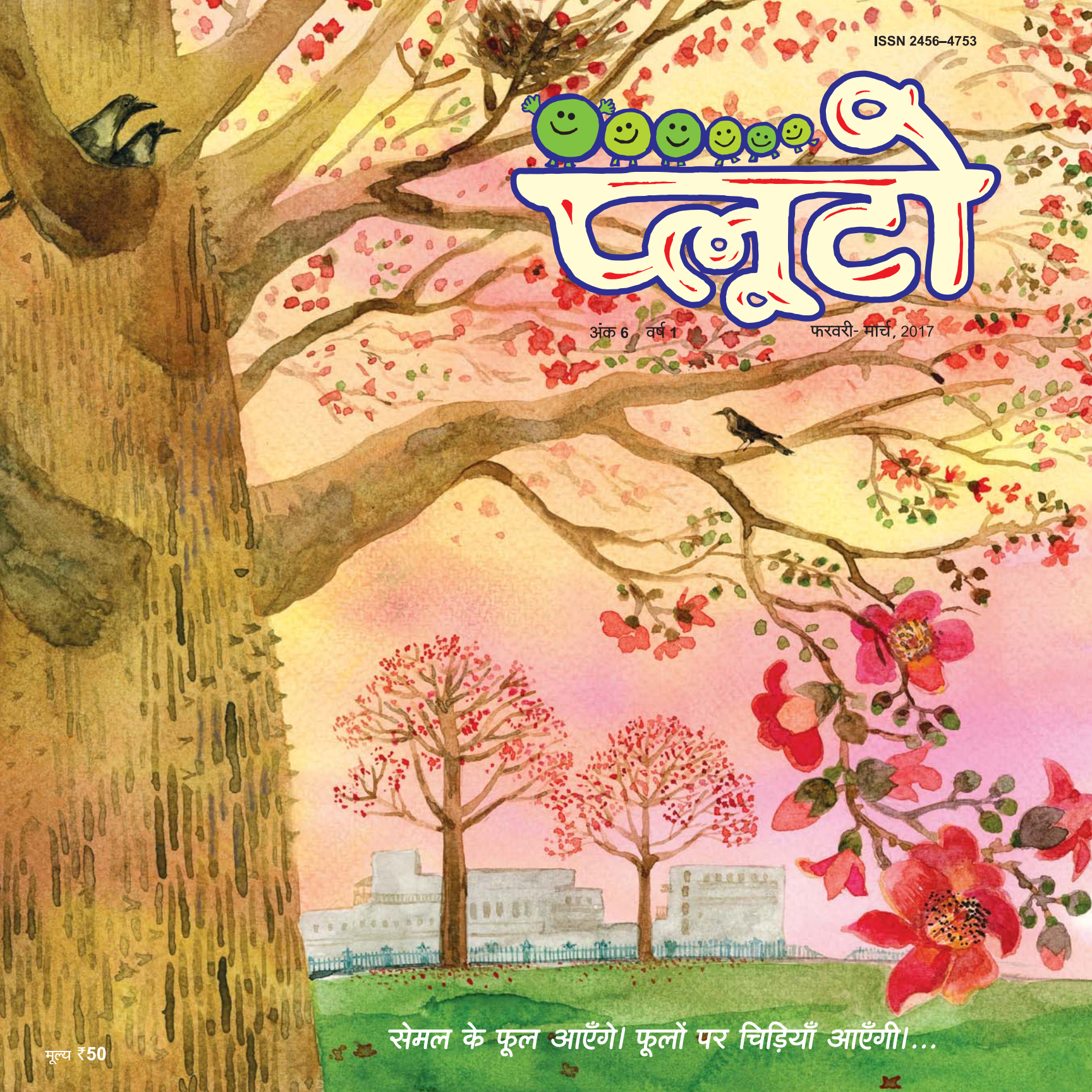

सेमल के फूल आएँगे। फूलों पर चिड़ियाँ आएँगी।...

मूल्य ₹50

फिर चिड़ियाँ ऊँट के बच्चों से बोलीं -
"क्या तुमने अपने माँ-बाप का सिर
इतना ऊँचा कर दिया है?"
चिड़ियों की इस बात पर
ऊँट गरदन हिला-हिलाकर हँसे।

चित्रः सुभाष व्याम

अम्मा बूढ़ी

आसनसोल

सिलीगुड़ी

अम्मा बूढ़ी
छाने पूड़ी
इतनी चौड़ी
आसनसोल से
सिलीगुड़ी।

चित्रः देबब्रत घोष

स्कूल का पहला दिन

शर्मीला बोहरा जालान

स्कूल में कक्षा तीन के बच्चों का पहला दिन था।
क्लास टीचर ने कहा, "आज तुम लोग अपने नाम का अर्थ बताओ।"
सबसे पहले अंश का नम्बर आया।

अंश ने कहा, "मेरे नाम ... मेरे नाम .. मेरे नाम.. ।" ऐसे तीन बार कह वह चुप हो गया। पूरी कक्षा हँस पड़ी। टीचर ने कहा, "आगे कहो।" वह बोला, "हिस्सा या भाग।"
अध्यापिका ने कहा, "वाह।" तभी पूरी कक्षा फिर हँस दी।

चित्रः मिष्टुनी चौधुरी

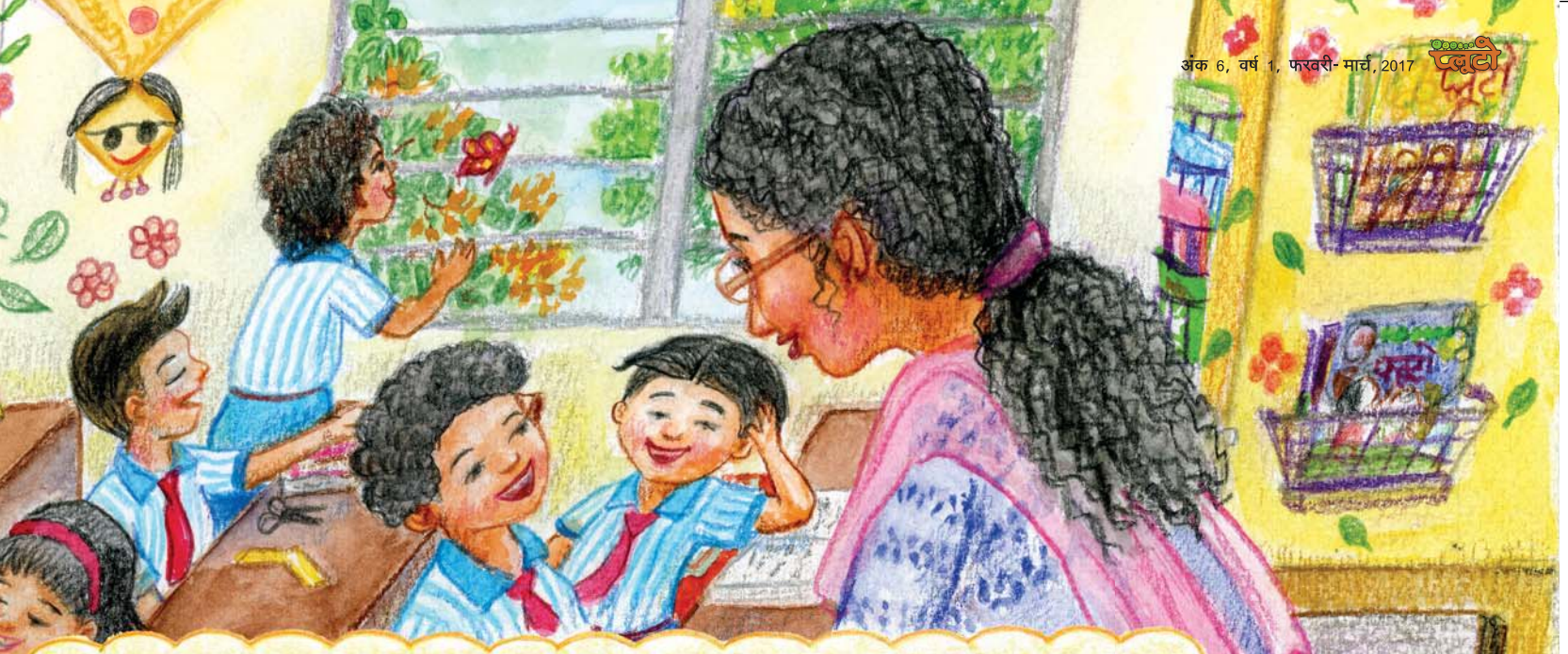

गोल आँखें और छोटी नाक वाले नकुल ने धीरे-से कहा, "मेरे नाम का अर्थ हकलू।" और ज़ोर-से हँस दिया।

वह जो भी कहता उसके दोस्त हँस पड़ते।

टीचर ने कहा, "अंश यानी हँसी?"

"नकुल का अर्थ भी हँसी?"

"सौरभ, रेखा, प्रोमा, देवांश का अर्थ क्या होगा - हँसी?"

"हँसना अच्छी बात है पर सबके नाम का अर्थ हँसी होगा तो ...?"

पूरी कक्षा फिर हँस दी।

मैडम ने कहा, "नकुल तुम बताओ - सूरज का अर्थ क्या है?" नकुल चुप था। इस बार प्रोमा ने कहा, "हँसी।"

मैडम ने पूछा, "और हँसी का अर्थ क्या है?"

नकुल झट-से बोला, "चाँद, सूरज, तारे, अंश, हम सब।"

मैडम हँस दी और बोलीं, "हर शब्द का एक या कई अर्थ होते हैं। उस अर्थ को हमें जानना चाहिए। हर शब्द का अर्थ 'हँसी' नहीं होता।"

नकुल ने पूछा, "क्यों नहीं होता है" और खिलखिलाकर हँस पड़ा।

पूरी कक्षा हँसने लगी।

तू-तू, मैं-मैं

नम्रता .....

(जब वो पाँच साल की थीं।)

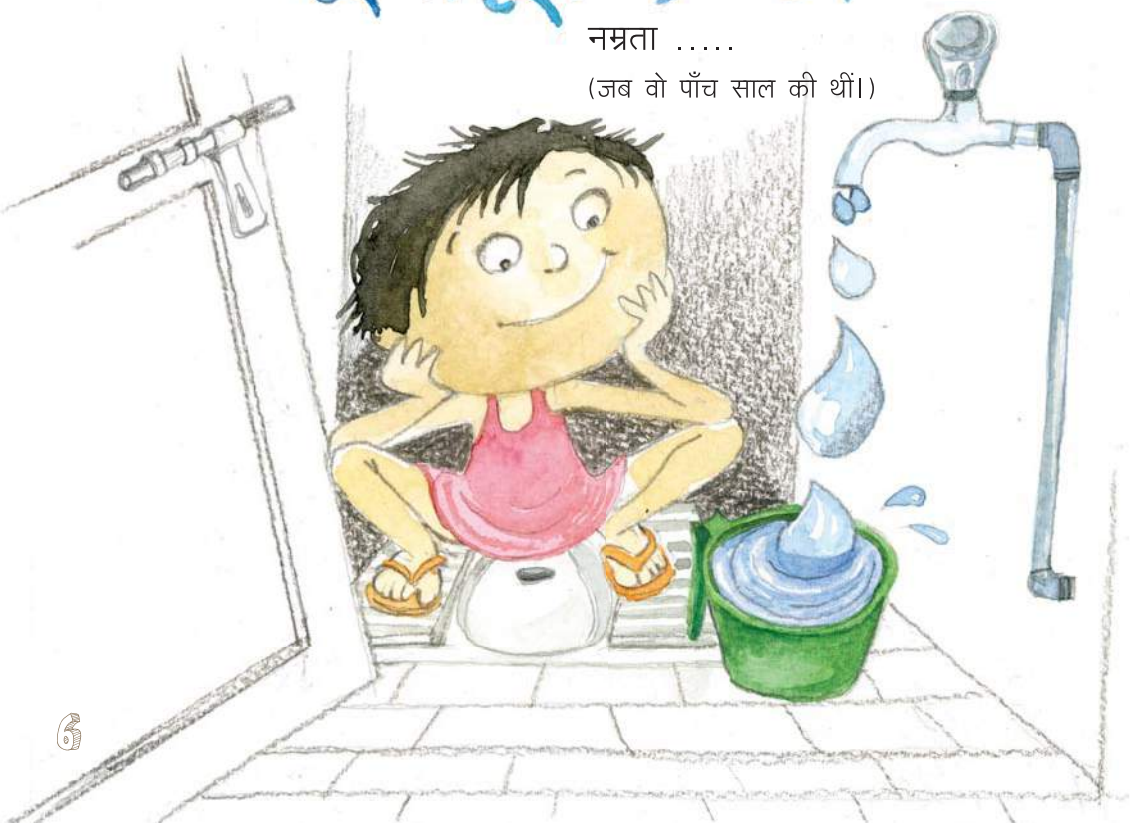

जब मग भरता है
तो बूँदें कहती हैं
पहले मैं पहले मैं

और बूँदों की इसी
तू-तू, मैं-मैं से
मग भर जाता है

पानी बोला पानी से
मिल गए हम आसानी से

चन्दन यादव

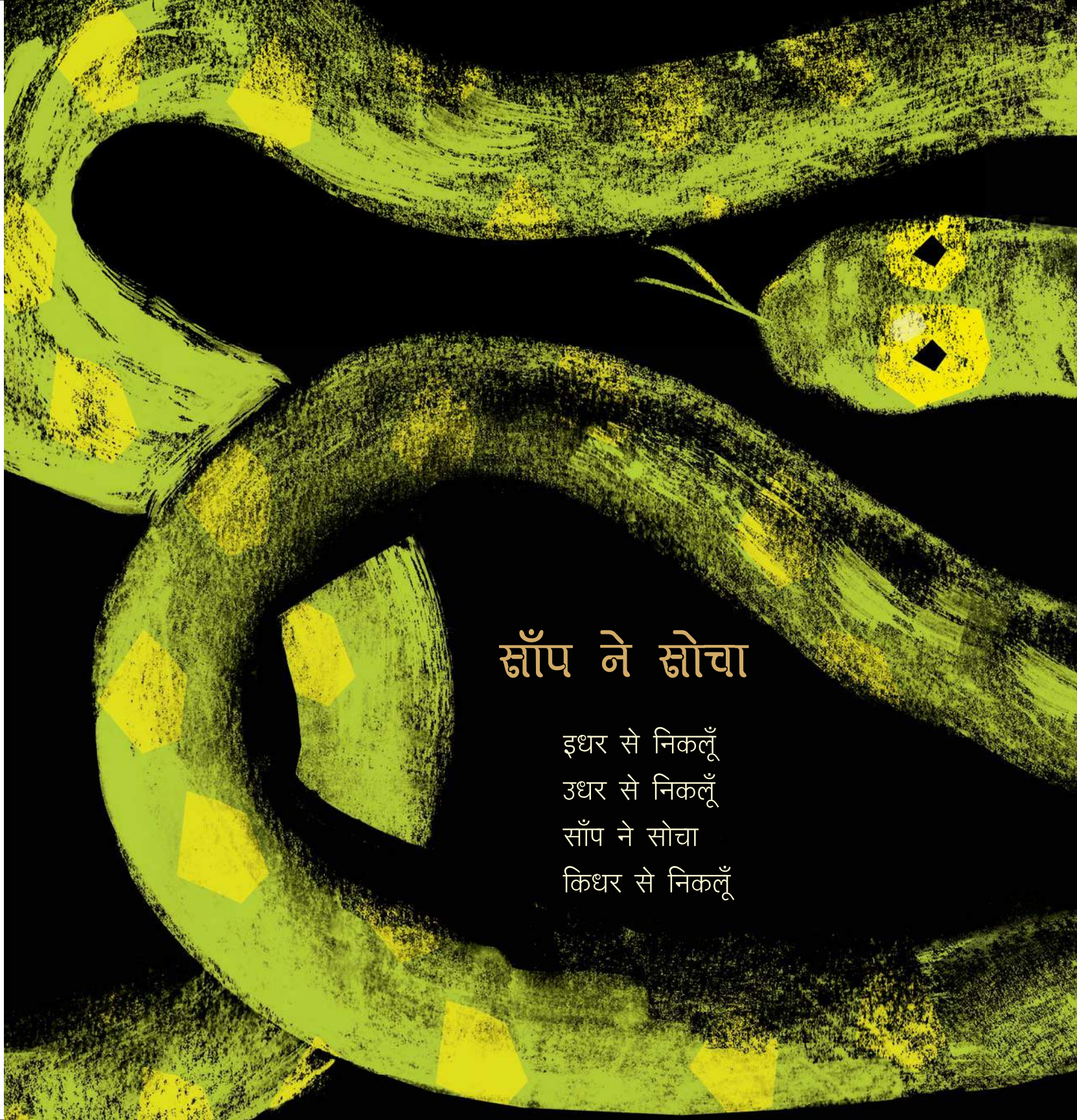

साँप ने सोचा

इधर से निकलूँ
उधर से निकलूँ
साँप ने सोचा
किधर से निकलूँ

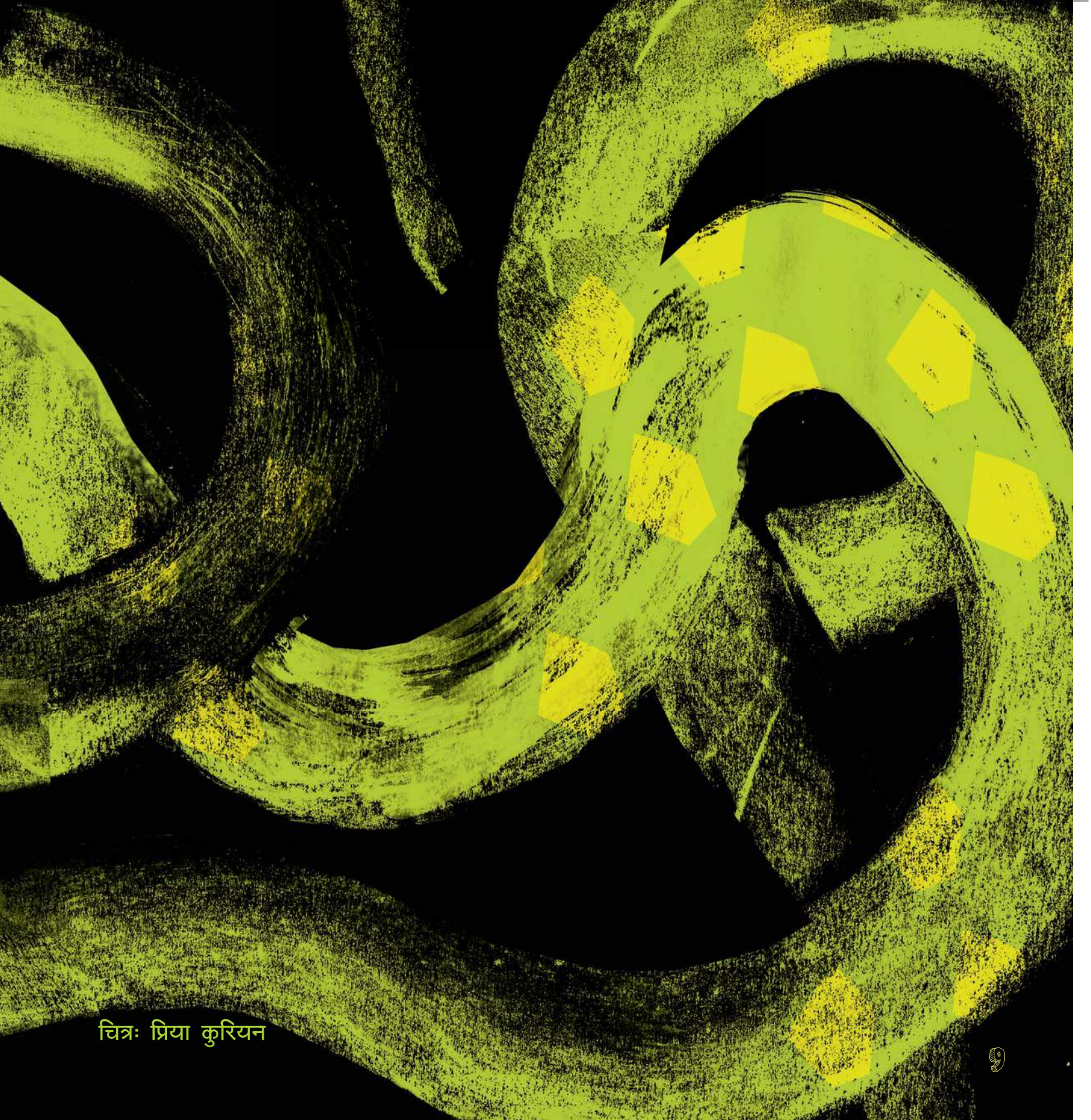

चित्रः प्रिया कुरियन

अमेरिका का पुल

अमेरिका में एक जगह एक पुल बन रहा था। बहुत ही बड़ा पुल।

इसे बनाने में करोड़ों रुपए खर्च होंगे।

यह पुल जहाँ बन रहा था वहाँ दस पेड़ थे।

पुल बनाने के लिए इन दस पेड़ों को काटा जाना था।

पुल बनाने वालों ने देखा कि इनमें से एक पेड़ पर एक घोंसला है। घोंसले में अण्डे हैं।

अगर पेड़ काटेंगे तो अण्डों का क्या होगा?

सबने मिलकर पुल का काम रोक दिया।

तय किया कि जब अण्डों से बच्चे निकलकर उड़ जाएँगे तभी पेड़ काटेंगे।

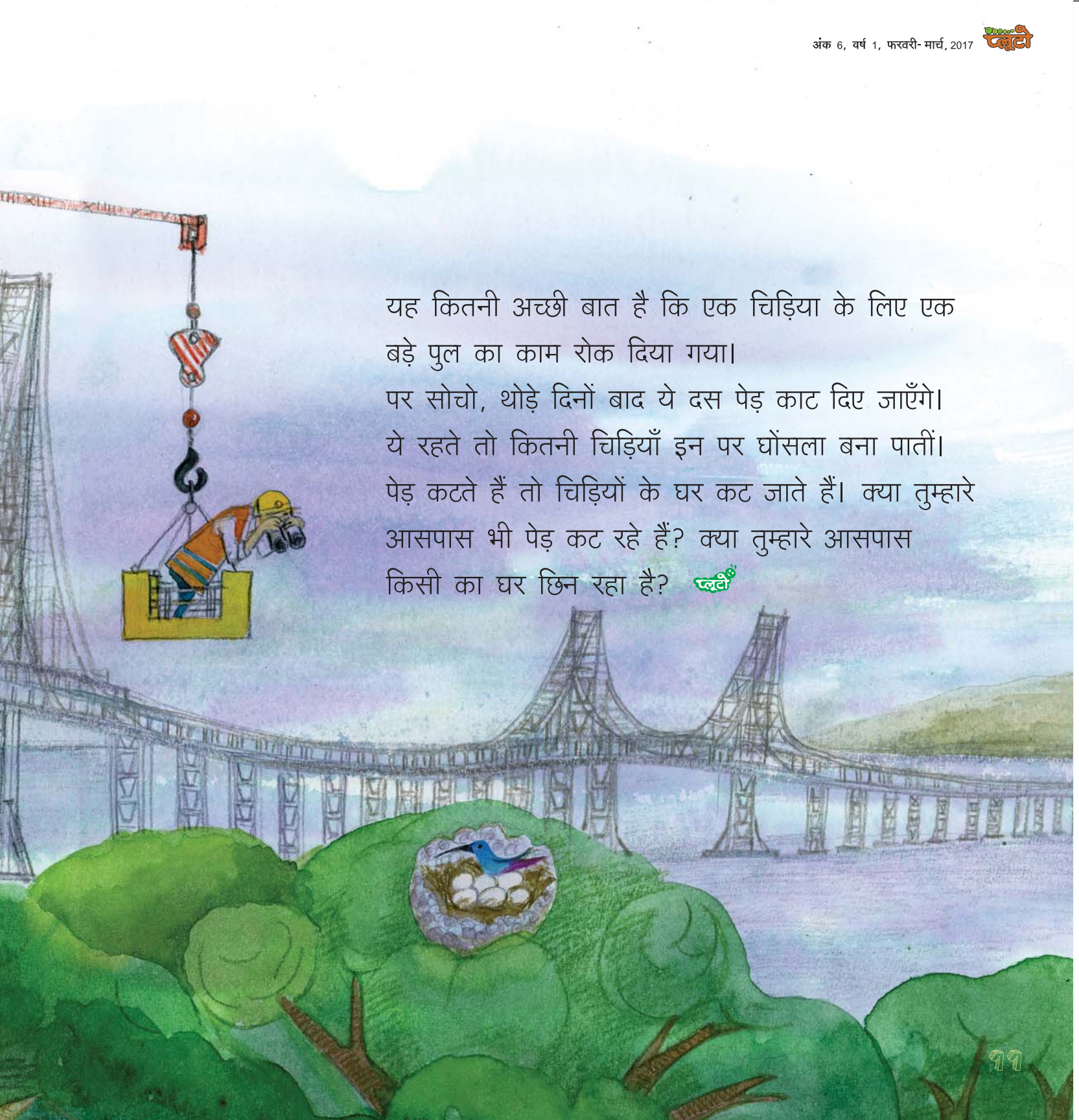

यह कितनी अच्छी बात है कि एक चिड़िया के लिए एक बड़े पुल का काम रोक दिया गया।
पर सोचो, थोड़े दिनों बाद ये दस पेड़ काट दिए जाएँगे।
ये रहते तो कितनी चिड़ियाँ इन पर घोंसला बना पातीं।
पेड़ कटते हैं तो चिड़ियों के घर कट जाते हैं। क्या तुम्हारे आसपास भी पेड़ कट रहे हैं? क्या तुम्हारे आसपास किसी का घर छिन रहा है? प्लूटो

डफली

प्रभात

डफली डम डम बजा रहा है
छोटा बच्चा रेल में
नाच दिखा कर लुभा रहा है
छोटा बच्चा रेल में

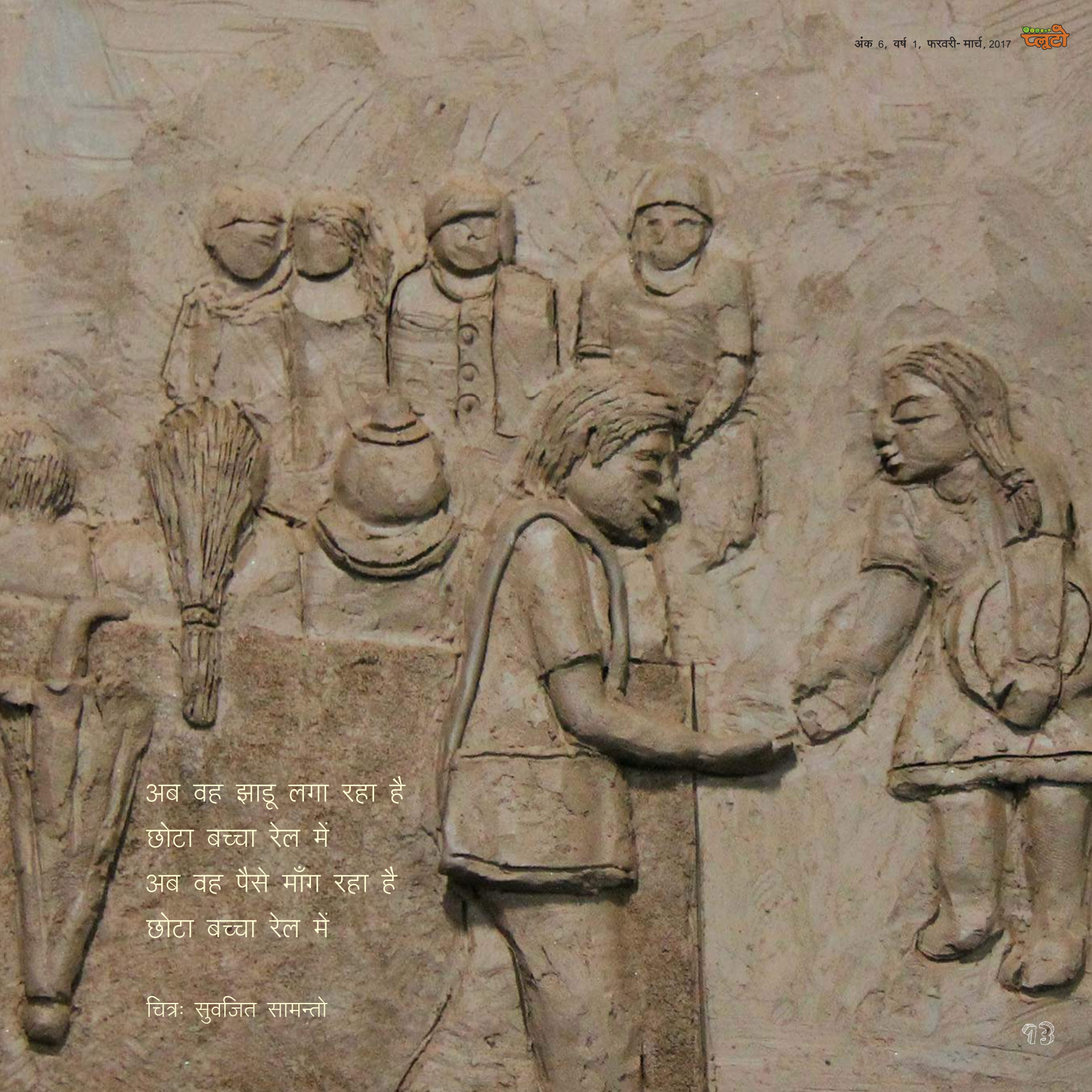

अब वह झाड़ू लगा रहा है
छोटा बच्चा रेल में
अब वह पैसे माँग रहा है
छोटा बच्चा रेल में

चित्रः सुवजित सामन्तो

गड़बड़ घोटाला

सफदर हाश्मी

यह कैसा है घोटाला
कि चाबी में है ताला
कमरे के अन्दर घर है
और गाय में है गोशाला

दाँतों के अन्दर मुँह है
और सब्ज़ी में है थाली
रुई के अन्दर है तकिया
और चाय के अन्दर प्याली

चित्रः प्रिया कुरियन

चित्रः पार्थो सेनगुप्ता

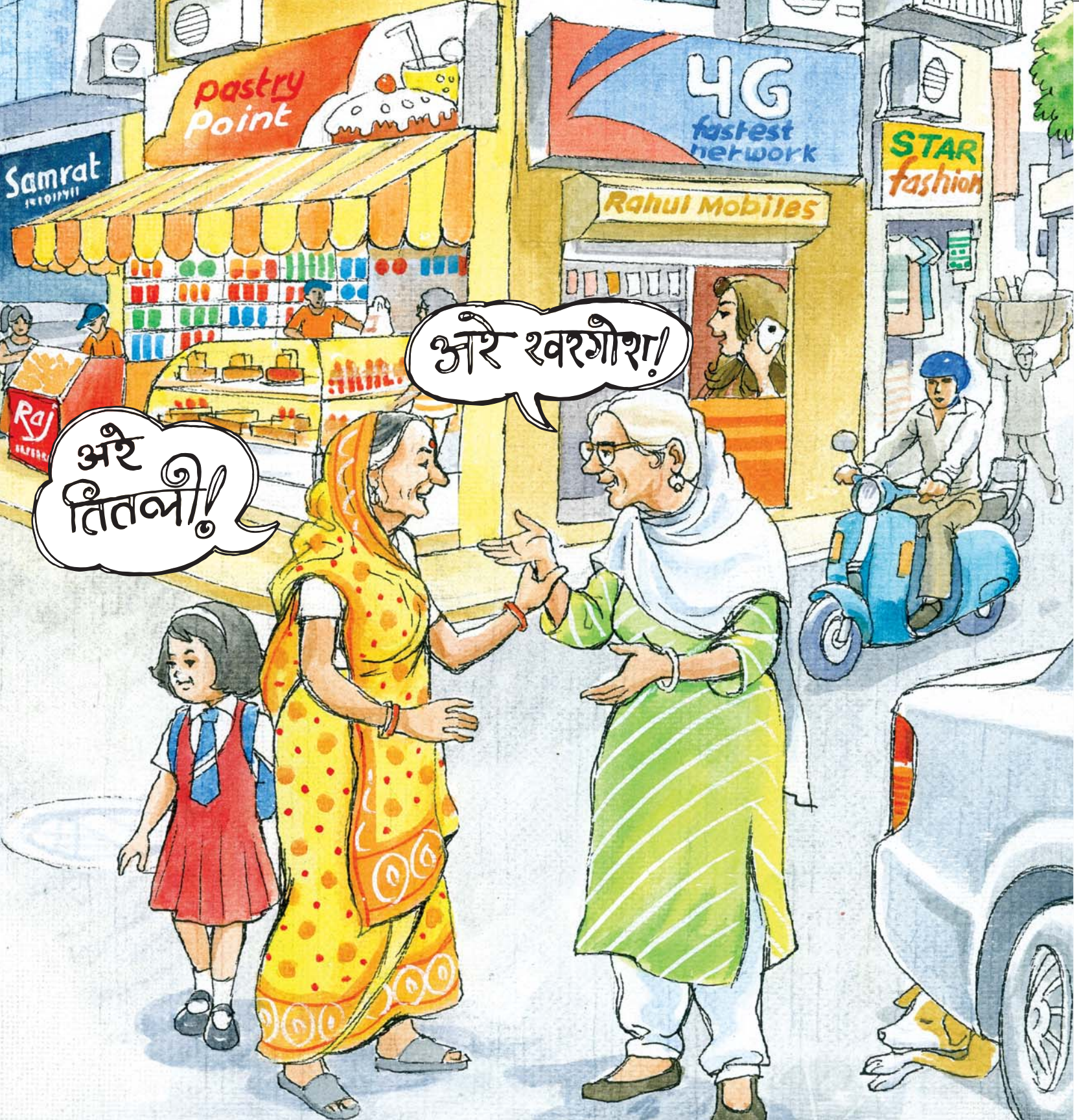
pastry Point
Samrat
4G fastest network
Rahul Mobiles
STAR fashion
Raj
अरे खरगोश!
अरे तितली!

चित्रः पार्थो सेनगुप्ता

ईख बोली

प्रभात

ईख खेत की बोली
अपने पास वाली ईख से
मेरे ऊपर क्यों गिरती हो
खड़ी रहो ना ठीक से

चित्रः सुजाशा दासगुप्ता

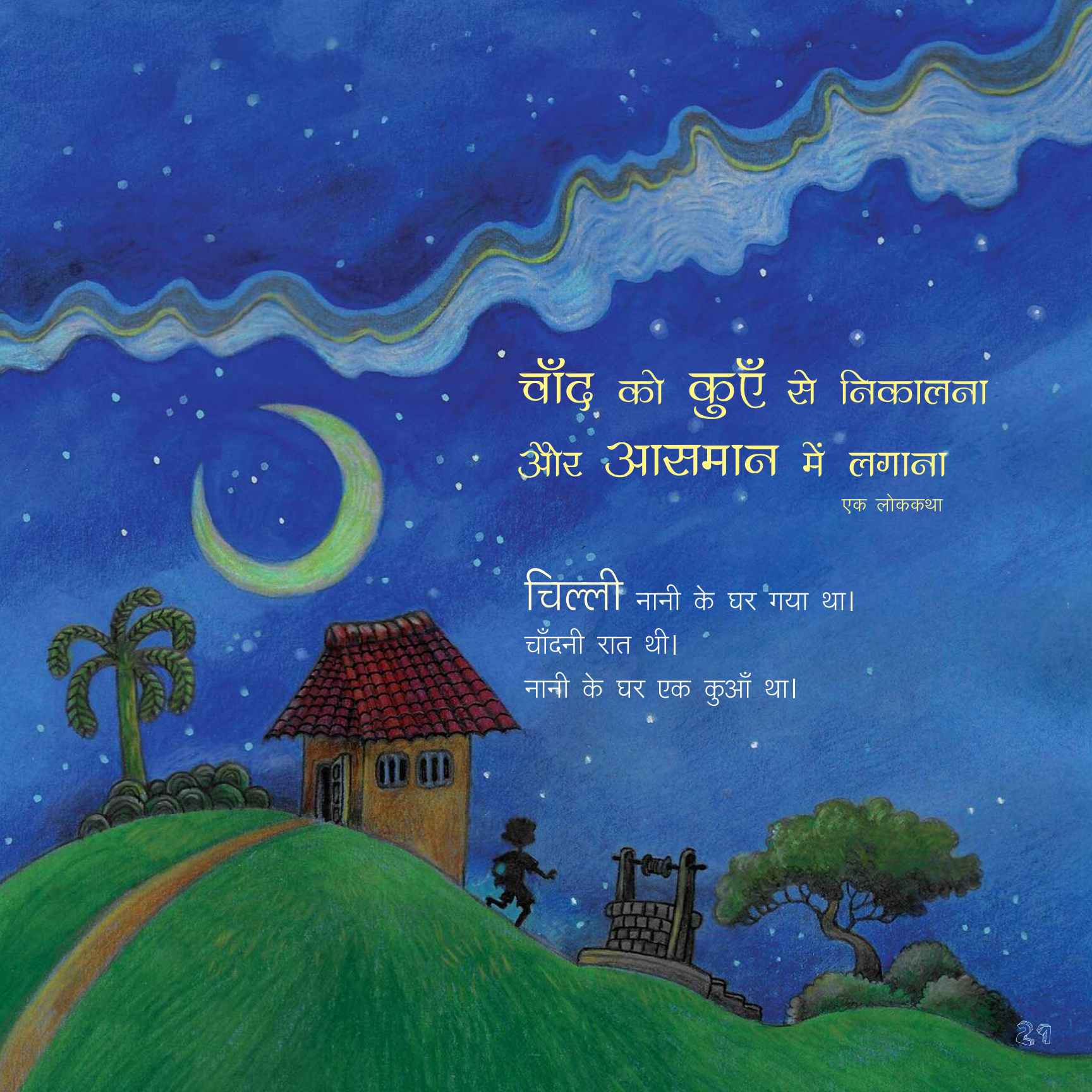

चाँद को कुएँ से निकालना और आसमान में लगाना

एक लोककथा

चिल्ली नानी के घर गया था।
चाँदनी रात थी।
नानी के घर एक कुआँ था।

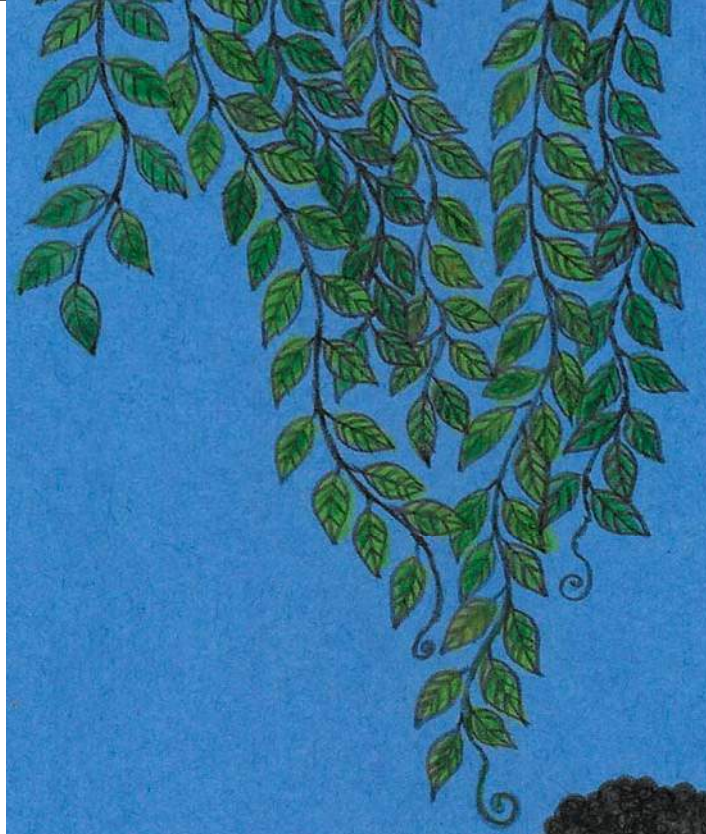

चिल्ली चुपचाप उठा और कुएँ में झाँकने लगा।
देखा कि कुएँ में चाँद चमक रहा है।
उसे लगा कि चाँद कुएँ में डूब गया है।
उसने सोचा कि अगर चाँद को वह बचा ले तो
कितनी बड़ी बात होगी।

उसने झट-से कुएँ पर पड़ी रस्सी उठाई।
पास में ही एक टेढ़ा-मेढ़ा लोहे का तार पड़ा था।
चिल्ली ने रस्सी को तार से बाँध दिया।

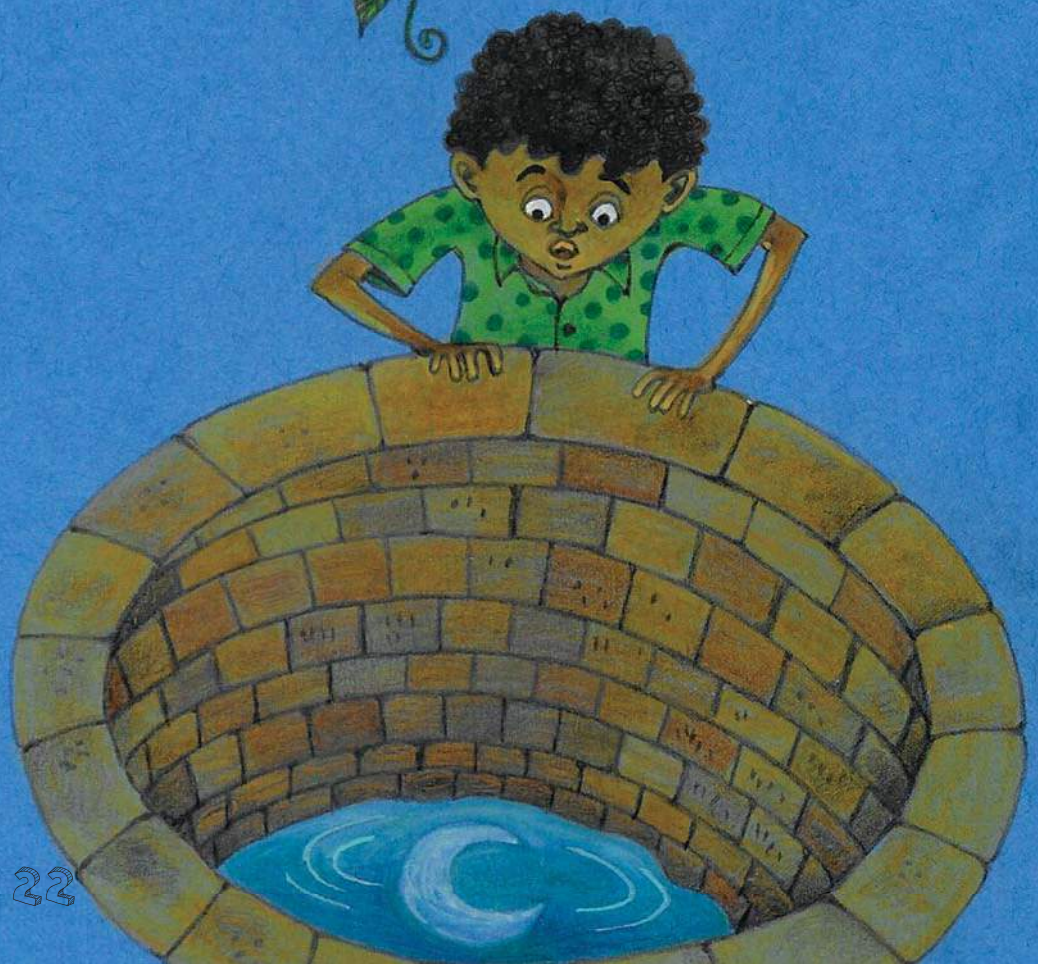

उसे लगा टेढ़े-मेढ़े तार में चाँद फँस जाएगा।

उसने रस्सी कुएँ में उतार दी।
रस्सी चाँद के एकदम पास ही डूबी थी।
चिल्ली को लगा कि चाँद फँस गया है।

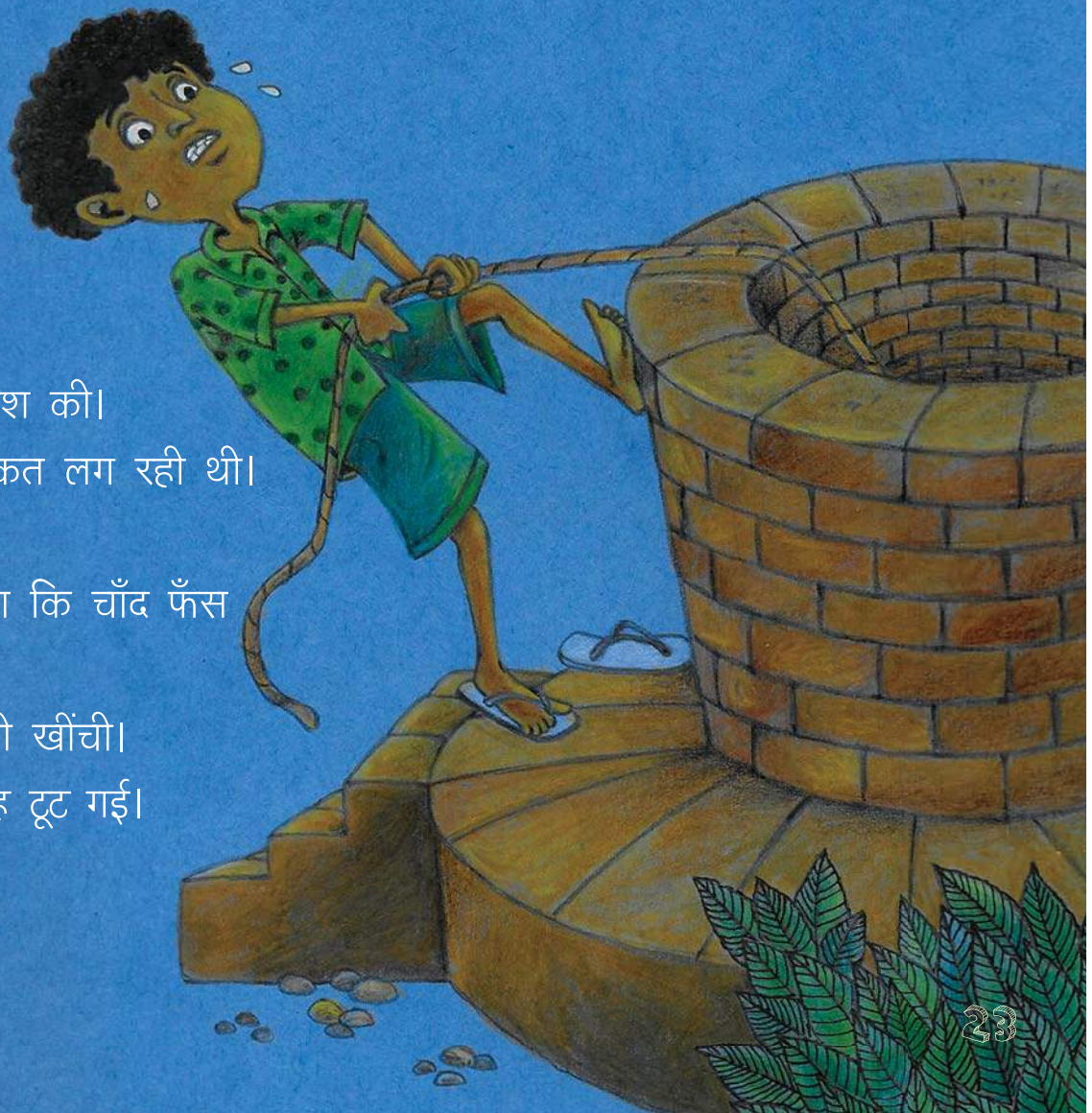

उसने रस्सी खींचने की कोशिश की।
पर रस्सी खींचने में बहुत ताकत लग रही थी।

चिल्ली को भरोसा हो गया था कि चाँद फँस गया है।
चिल्ली ने पूरी ताकत से रस्सी खींची।
रस्सी शायद कमज़ोर थी। वह टूट गई।

चिल्ली धड़ाम से गिरा।

गिरा तो उसकी नज़र आसमान पर पड़ी।
उसने देखा चाँद तो आसमान पर चमक रहा है।

वह बहुत खुश हुआ।
उसे लगा कि यह बात मिल्ली को बताना चाहिए। ... प्लूटो

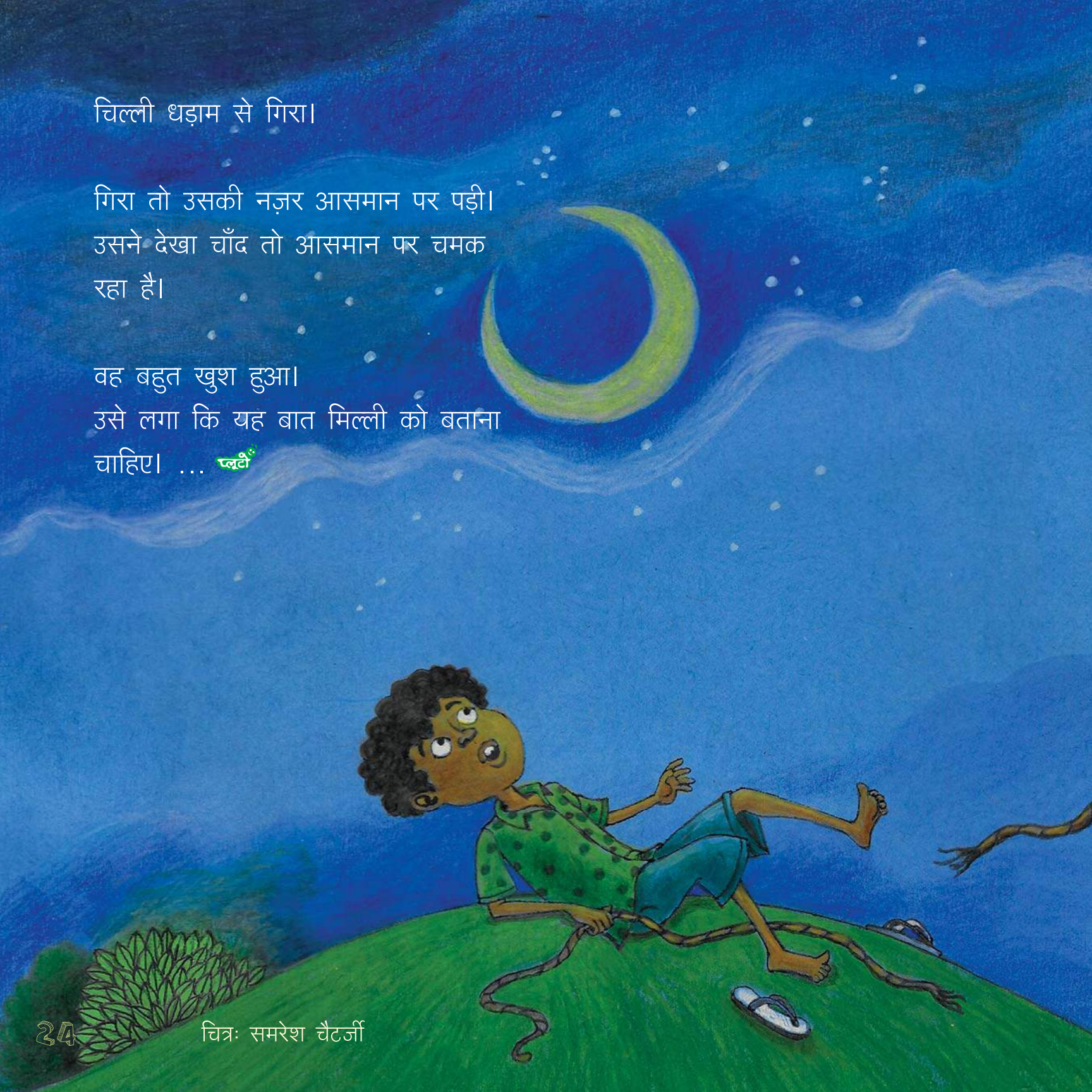

चित्रः समरेश चैटर्जी

उल्लू

दुनिया का फण्डा था
उल्लू का अण्डा था
अण्डा था गरम गरम
पर मौसम ठण्डा था

उसने अण्डा तोड़ा
बाहर निकला थोड़ा
पहले गरदन झाँकी
फिर पैरों का जोड़ा

वो जब निकला झट-से
तो बोला कोई फट-से

वो देखो, उल्लू बन गया।

चलो उल्लू बनाएँ...

1

2

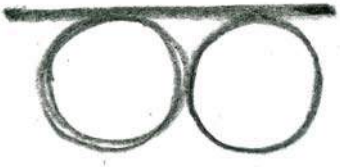

3

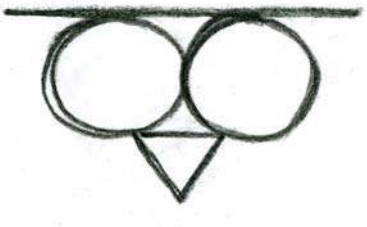

4

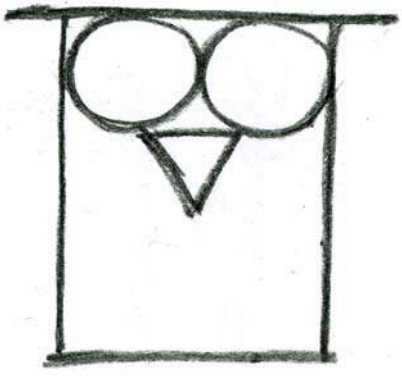

5

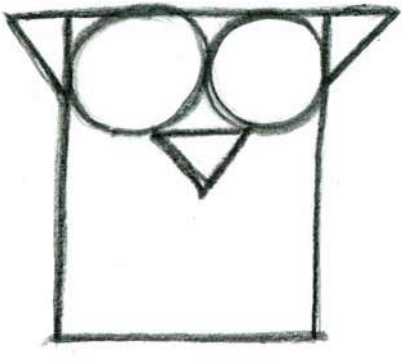

6

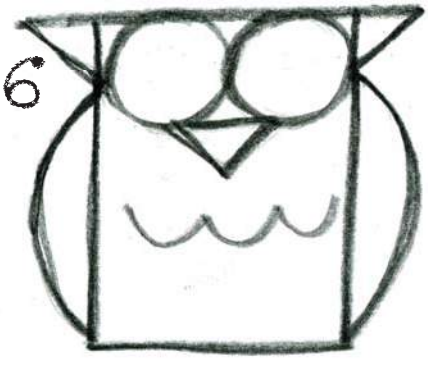

7

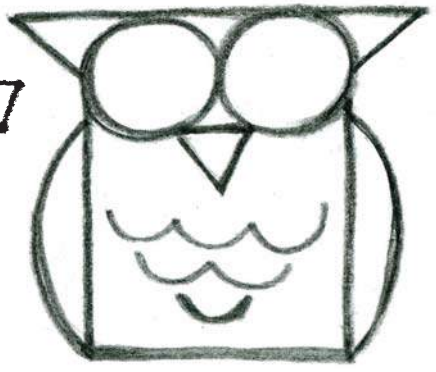

8

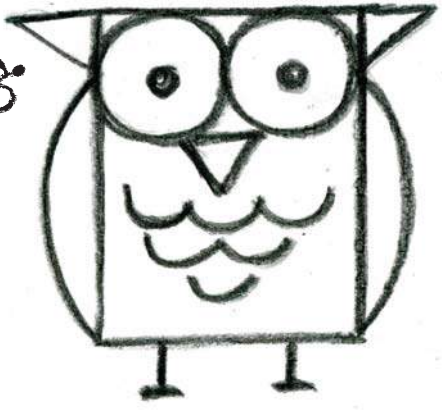

9

तुम्हारा पन्ना

विदिशा, कक्षा-दूसरी, बंगलौर

नेवान, कक्षा-पहली, दिल्ली

ये **नेवान** की माँ का चित्र है।
नेवान ने उन्हें देखकर बनाया है।
क्या तुमने कभी अपनी माँ को
सामने बिठाकर उनका चित्र बनाया है?
अपनी माँ का चित्र बनाओ
और प्लूटो को भेज दो।

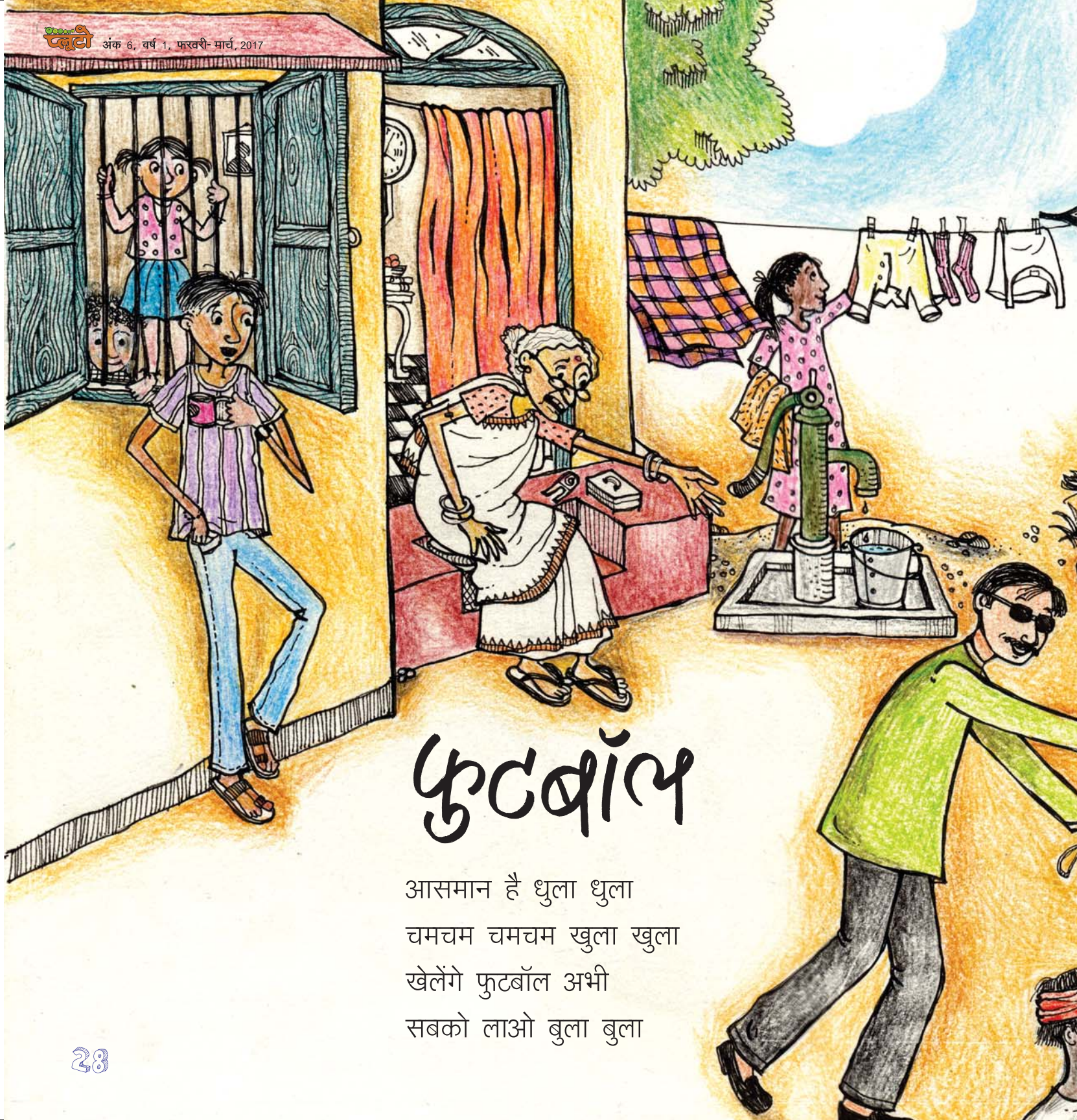

फुटबॉल

आसमान है धुला धुला
चमचम चमचम खुला खुला
खेलेंगे फुटबॉल अभी
सबको लाओ बुला बुला

चित्र - प्रोइती राय

चटनियाँ

1. तुमने मेरा रसगुल्ला आखिर खाया कैसे?

2. ऐसे खाया

प्लूटो

सम्पादनः सुशील शुक्ल
शशि सबलोक
विचार एवं आकल्पनः सुशील शुक्ल
डिज़ाइन एवं चित्रः तापोशी घोषाल

आवरण चित्रः तापोशी घोषाल

मुद्रक तथा प्रकाशक संजीव कुमार द्वारा
तक्षशिला पब्लिकेशन-तक्षशिला एजुकेशनल सोसाइटी की इकाई के लिए
मल्टी कलर प्रेस, शेड नं. 92 डी.एस.आई.डी.सी., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़ 1, नई दिल्ली 110020 से मुद्रित एवं सी-404, बेसमेंट, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024 से प्रकाशित, **सम्पादकः रीमा सिंह**

प्लूटो का पताः
नॉलेज सेण्टर
सी-404, बेसमेण्ट, डिफेंस कॉलोनी,
नई दिल्ली 110024
फोनः 011- 41555 418/428
ई-मेलः pluto@takshila.net

लॉन्ग टेल्ड ब्रॉड बिल्ड

यह चिड़िया सिलीगुड़ी में भी मिलती है।
लम्बी पूँछ।
चौड़ी चोंच।
कीड़े खाती है।

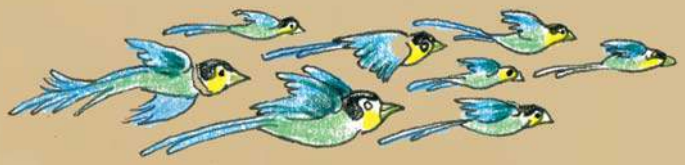

झुण्ड में रहती है। लम्बी उड़ानें भरती है।
आवाज़ तीखी।

उड़ी उड़ी
मुड़ी मुड़ी
गई चिड़ी
सिलीगुड़ी

वरुण ग्रोवर

एक ही बार में
5-6 अण्डे देती है।

माँ-पिता दोनों बारी-बारी से
अण्डे सेते हैं।

फोटोः देबप्रतिम साहा

आर एन आई नं.DELHIN/2016/68357 दुमाही बाल पत्रिका

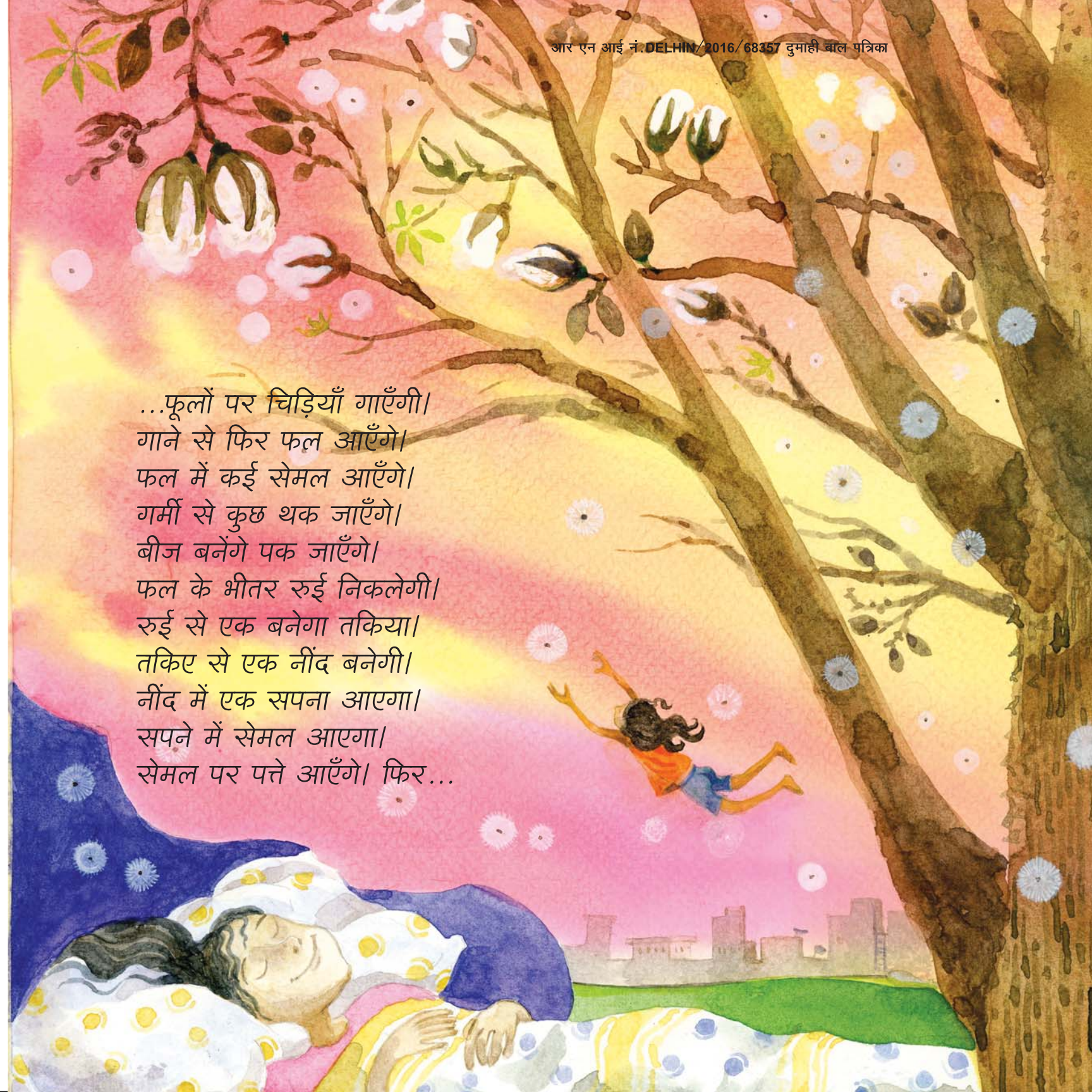

...फूलों पर चिड़ियाँ गाएँगी।
गाने से फिर फल आएँगे।
फल में कई सेमल आएँगे।
गर्मी से कुछ थक जाएँगे।
बीज बनेंगे पक जाएँगे।
फल के भीतर रुई निकलेगी।
रुई से एक बनेगा तकिया।
तकिए से एक नींद बनेगी।
नींद में एक सपना आएगा।
सपने में सेमल आएगा।
सेमल पर पत्ते आएँगे। फिर...